NaiDunia (Indore), 04th November 2023, Page - 04

आर्मी वार कालेज में तेंदुए को ढूंढने के लिए तीन घंटे तलाशी

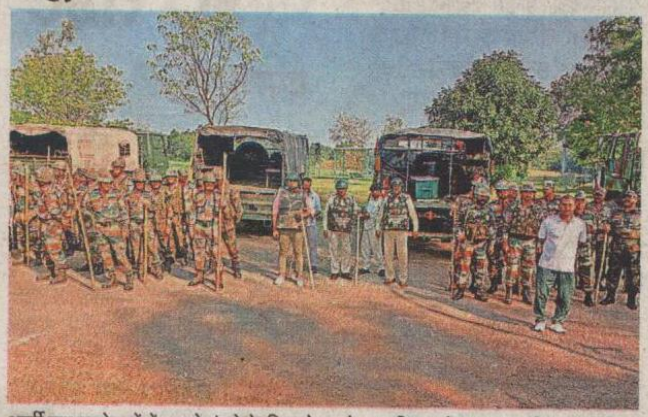

आर्मी वार कालेज में तेंदुए को ढूंढने के लिए सेना और वन विभाग ने संयुक्त सर्च आपरेशन चलाया। इस दौरान मौजूद कर्मचारी। ● सौ. वन विभाग

- आइआइटी से भी नहीं हटाए पिंजरे, ट्रैप कैमरे में भी नहीं आया नजर
- न तो तेंदुए के पैरों के निशान मिले और न ही उसकी विष्ठा

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। सप्ताहभर से महू स्थित आर्मी वार कालेज में तेंदुए की दहशत बनी है। वनकर्मियों और सैनिकों ने संयुक्त सर्च आपरेशन चलाया। तीन घंटे तक परिसर के कोने-कोने में तेंदुए को ढूंढा, लेकिन कहीं भी उसकी मौजूदगी के प्रमाण नहीं मिले हैं। इसके बाद वन विभाग ने सर्च आपरेशन बंद करने का फैसला लिया है, मगर कालेज परिसर से पिंजरे नहीं हटाए गए हैं। उधर सिमरोल स्थित आइआइटी में भी लगाए ट्रैप कैमरों में मादा तेंदुआ और दोनों शावक कैद नहीं हुए हैं। चोरल रेंज से वनकर्मी सुबह-शाम जाकर पिंजरे का स्थान बदलते हैं।

आर्मी वार कालेज में तेंदुए को ढूंढने के लिए गुरुवार और शुक्रवार को आपरेशन चलाया। सेना की तरफ से कर्नल जसपाल सिंह और रेस्क्यू प्रभारी योगेश यादव के नेतृत्व में वनकर्मी व सैनिकों ने तेंदुए की तलाश की गई। दोनों दिन तीन-तीन घंटे परिसर में सर्चिंग की गई, लेकिन एक भी स्थान पर न तो तेंदुए के पैरों के निशान और न विष्ठा मिली। इसके आधार पर वन अफसरों ने तेंदुए के परिसर से बाहर होने की बात कही। रेंजर यादव ने कहा कि पिंजरे के आसपास ट्रैप कैमरों में भी तेंदुए की गतिविधियां नहीं कैद हुई हैं। वे बताते हैं कि आइआइटी और आर्मी वार कालेज में दो-दो पिंजरे लगाए हैं, जिन्हें नहीं हटाया गया है।